

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री ओ०पी० चन्देलिया

प्रकरण सं० : 78/2022

अनवान :

1. बन्शीलाल पुत्र नत्थुराम जाति जाट निवासी बाण्डाहेडी तहसील व जिला हिसार।
2. कुलदीपसिंह पुत्र नत्थुराम जाति जाट निवासी बाण्डाहेडी तहसील व जिला हिसार।
3. जयसिंह पुत्र राजकरण जाति जाट निवासी बाण्डाहेडी तहसील व जिला हिसार।
4. जगदीश पुत्र राजकरण जाति जाट निवासी बाण्डाहेडी तहसील व जिला हिसार।
5. प्रतापसिंह पुत्र राजकरण जाति जाट निवासी बाण्डाहेडी तहसील व जिला हिसार।

:-वादीगण

**बनाम**

1. गजेसिंह पुत्र प्रतापसिंह जाति जाट निवासी डाबडा तहसील व जिला हिसार।
2. गउशाला भादरा जरिऐ अध्यक्ष श्रीगउशाला भादरा तहसील भादरा।
3. भारतीय स्टेट बैंक शाखा डाबडी जरिऐ शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक शाखा डाबडी।
4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व भादरा।

:- प्रतिवादीगण

दावा बाबत : खाता विभाजन

अन्तर्गत धारा 53 राज०काश्त०अधि 1955

उपस्थिति : वकील श्री मुन्शीराम गोस्वामी : वादीगण

वकील श्री सतवीर बैनीवाल : प्रतिवादी सं० 1

वकील श्री किशनलाल यादव : प्रतिवादी सं० 2

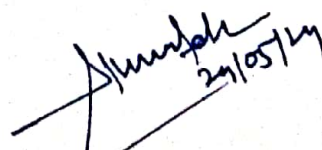
निर्णय

दिनांक:

संक्षेप में दावा के तथ्य इस प्रकार हैं कि रोही मौजा भिरानी के खाता सं० 80/180 के मु०न० 353, 354, 355, 372, 373 की कुल 10.891 है० बरानी वादभूमि में वादी सं० 1 व 2 प्रत्येक के नाम 1423/21782 हिस्सा, वादी सं० 3 ता 5 प्रत्येक के नाम 1423/10891 हिस्सा, प्रतिवादी सं० 1 के नाम 4187/10891 हिस्सा व प्रतिवादी सं० 2 के नाम 1012/10891 हिस्सा खातेदारी दर्ज है।

विवादित कृषि भूमि का पक्षकारान के मध्य काफी अर्सा पहले वाहमी बंटवारा हो गया था जिस पर वादभूमि के अलग अलग खेत बने हुए हैं तथा पक्षकारान ने अपने अपने हिस्सा की भूमि को उपजाऊ व समतल आदि भी करवाया है। परन्तु वादभूमि रिकार्ड माल में मुश्तर्का खातेदारी होने के चलते माल लगान आदि को लेकर आये दिन विवाद बना रहता है। इसलिये वादी वादभूमि का मुताबिक वाहमी बंटवारा व कब्जा काश्त के अनुसार खाता तकशीम करवाने एवं अपने विभाजित हिस्सा तक आवागमन के लिए रास्ता आदि का अंकन करवाने का कानूनी अधिकारी है।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामिल होने के उपरान्त प्रतिवादी सं० 1 व 2 जरिये हाजिर आए। प्रतिवादी सं० 3 तामिल होने के उपरान्त भी हाजिर नहीं आए जिनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। वकील वादीगण व प्रतिवादीगण ने विभाजन प्रस्ताव पर सहमति जाहिर की।

  
29/05/24

बहस वकील उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादीगण ने अपने दावा के तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि पक्षकारान मुताविक वाहमी बंटवारा के उनके दी गई भूमि पर काश्त करते आ रहे है। उसी अनुसार खाता लगान अलग अलग कायम किये जाने हेतु निवेदन किया।

न्यायालय द्वारा विद्वान अभिभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रस्तुत प्रकरण मे वादी ने रोही मौजा भिरानी के खाता सं० ८०/१८० के मु०न० ३५३, ३५४, ३५५, ३७२, ३७३ की कुल १०.८९१ है० वारानी वादभूमि में वादी अपने नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज हिस्सा अनुसार खातेदारी भूमि का अच्छी मन्दी के हिसाब से खाता विभाजन चाहा है जिसका विभाजन प्रस्ताव तैयार किया जाकर तहसीलदार भादरा द्वारा मुताविक अपनी रिपोर्ट व मय रगंदार नक्शा तहसीलदार भादरा के पत्रांक भू.अ./१८/१३४ दिनांक ०१.०३.२०२४ को विभाजन प्रस्ताव पेश हुआ। पक्षकारान को सुना गया। वकील वादी तथा वकील प्रतिवादीगण ने विभाजन प्रस्ताव पर सहमति जाहिर की। अतः तहसीलदार भादरा के द्वारा रोही मौजा भिरानी का प्रस्तुत विभाजन प्रस्ताव के आधार पर पक्षकारान खाता व लगान निम्न प्रकार से विभाजित किया जाता है:-

विभाजन : रोही मौजा भिरानी

गउशाला भादरा हि० पूर्ण :- रोही मौजा भिरानी के मु०न० ३५५ कि०न० १, २, ९ व १० प्रत्येक की ०.२५३ है० कुल किता ४ का कुल रकबा १.०१२ है० बा.

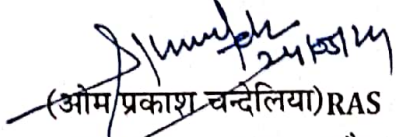
कुलदीपसिंह पुत्र नत्थुराम ०.७११ है०, जगदीश पुत्र राजकरण १.४२३ है०, प्रतापसिंह पुत्र राजकरण १.४२३ है०, बंशीलाल पुत्र नत्थुराम ०.७१२ है०, जयसिंह पुत्र राजकरण १.४२३ है० जाति जाट सा०

बाण्डाहेडी खातेदार :- रोही मौजा भिरानी के मु०न० ३५३ कि०न० ४/२ की ०.१२६ है० कि०न० ५ कर ०.२५३ है० कि०न० ६/१ की ०.१२६ है०, मु०न० ३५४ कि०न० १ ता १० प्रत्येक की ०.२५३ है० कि०न० ११/२ की ०.१२६ है० कि०न० १२ ता १४ प्रत्येक की ०.२५३ है० कि०न० १५/१ की ०.२४० है० कि०न० १५/२ की ०.०१३ है० रास्ता, कि०न० १६/१ की ०.२४० है० कि०न० १६/२ की ०.०१३ है० रास्ता, कि०न० १७ व १८ प्रत्येक की ०.२५३ है० कि०न० १९/१ की ०.१२७ है० कि०न० २३/२ की ०.१२१ है० कि०न० २३/३ की ०.००६ है० रास्ता, कि०न० २४/१ की ०.२४० है० कि०न० २४/२ की ०.०१३ है० रास्ता, कि०न० २५/१ की ०.२२७ है० कि०न० २५/२ की ०.०२५ है० रास्ता कुल किता २७ का कुल रकबा ५.६९२ है० (५.६२२ है० बा० व ०.०७० है० रास्ता)

गजेसिंह पुत्र प्रतापसिंह हिस्सा पूर्ण जाति जाट सा० डाबडा खातेदार :- रोही मौजा भिरानी के मु०न० ३५५ कि०न० ११, १२, १९ ता २४ प्रत्येक की ०.२५३ है०, मु०न० ३७२ कि०न० १ ता ४, ९, १० प्रत्येक की ०.२५३ है० कि०न० ११ की ०.१३९ है०, मु०न० ३७३ कि०न० ४/२ की ०.११४ है० कि०न० ५ की ०.२५३ है० कि०न० ६ की ०.१३९ है० कुल किता १८ का कुल रकबा ४.१८७ है० बा.

किसी भी खातेदार का हिस्सा किसी बैंक के रहन है तो विभाजन के बाद रहन संबंधित काश्तकार के संबंधित हिस्से पर शिफ्ट किया जावे। इसी अनुसार पर्चा डिक्री जारी की जावे।

निर्णय आज दिनांक ~~२५-०५-२५~~ को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(ओम प्रकाश चन्देलिया)RAS  
सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)  
भादरा, जिला हनुमानगढ